दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 15 फरवरी 2025

सत्यकथा

भोपाल : पकड़ा गया पत्नी के साथ देह की दुकान चलाने और किशोरियों को बेचने वाला सौदागर

पाप के सौदागर

all demo pic.

पन्द्रह साल की बेबी के पिता द्वारा मां को और मां के दुनिया छोड़ देने के बाद इकलौते मामा ने बेबी को दिए अपने सहारे की कीमत बेबी के अपरिपक्व जिस्म से वसूलने की कोशिश करना शुरू कर दिया। यह देख कर एक रोज बेबी ने रात के अंधेरे में मामा का घर छोड़ दिया। लेकिन उसे क्या मालूम था कि जिस इज्जत को बचाने के लिए वह मामा का घर छोड़ रही है वही इज्जत कल बाजार में बिकने के लिए सजने वाली है।

हिंदू परिवारों में एक रिवाज है कि बेटी की नई-नई शादी के बाद एक दीपावली को छोड़कर लगभग हर त्यौहार पर मायके बुलाया जाता है। यही कारण है कि जनवरी के दूसरे हफ्ते में भोपाल की अरेरा कालोनी में रहने वाला आशुतोष वाजपेयी एक बार फिर अशोकनगर जिले के उस कस्बे में पहुंचा जहां तीन महीने पहले 14 अक्टूबर को उसने अपने रिश्ते की बहन बेबी (बदला नाम) की शादी यहां रहने वाले एक युवक से की थी।

इस बार आशुतोष मकर संक्रांति के मौके पर बेबी को मायके ले जाने आया था। बेबी इससे पहले तीन महीने में तीन बार आशुतोष को बैरंग वापस भेज चुकी थी। ऐसा नहीं की बेबी की ससुराल वाले उसे मायके नहीं भेजना चाहते थे। दरअसल खुद बेबी ही हर बार मायके जाने से मना कर देती थी। इसलिए चौथी बार आशुतोष को आया देखकर बेबी की सास ने उसे समझाते हुए कहा- बेटा अच्छा नहीं लगता है हम हर बार तुम्हारे मायके से आए लिवाने वाले को खाली हाथ वापस करें। इस बार तू साथ चली जा, मैं चार दिन बाद ही तुझे वापस बुला लूंगी।

अम्मा आपको मुझे नहीं रखना तो मेरा गला दबा दो लेकिन मैं

नीलेन्द्र पटेल

भोपाल नहीं जाऊंगी।

बेबी ने अपनी सास से कहा तो वह अवाक रह गईं। बहरहाल आशुतोष तो खाली हाथ वापस आ गया लेकिन शाम को जैसे ही बेबी का पति घर आया, मां ने उसे बहू की कही बात बताते हुए बेबी से आराम से बात कर मायके के प्रति उसकी नफरत का कारण जानने को कहा।

रात में खा-पीकर सभी लोग अपने कमरों में चले गए तो बेबी की पति ने उससे मां को ऐसा बोलने का कारण पूछा। इसके जबाव में बेबी थोड़ी देर तक तो बात को टालने की कोशिश करती रहीं लेकिन जब उसने देखा कि आज उसका पति बिना कारण जाने मानने वाला नहीं है तो उसने पति से कहा कि पहले मेरे सिर पर हाथ रखकर कसम खाओ की सच्चाई जानने के बाद न तो आप मुझे छोड़ोगे और न आगे से भोपाल भेजने की जिद करोगे।

पागल हो क्या? इतनी सी बात पर मैं क्यों तुम्हें छोड़ने लगा। फिर मेरे लिए तो तुम्हारा भोपाल न जाना ही फायदे का सौदा है। बेबी के पति ने माहौल को हल्का करने की कोशिश करते हुए पत्नी से कहा। इसके बाद पूरी रात हो गई लेकिन बेबी की दुखों से भरी कहानी खत्म नहीं हुई। बेबी की सच्चाई जानकर जहां उसका पति भौंचक था।

शेष पृष्ठ 4 पर...

ग्वालियर

प्रेमिका के साथ स्वयं का अश्लील वीडियो बनाकर 22 लाख ठगे

प्रेमी लवकुश पर विश्वास की ऐसी सजा मिलेगी यह पूजा ने कभी नहीं सोचा था। लवकुश ने पूजा के साथ अपना अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर 22 लाख रुपए वसूल लिए। इसके बाद भी प्रेमी की डिमांड कम नहीं हुई तो एक रोज पूजा ने ...

पूजा से पूछो क्या बात है। जब से आई है गुमशुम गुड़िया बनी बैठी रहती है। भिण्ड के गोरमी कस्बे के परिवार में पिता ने चाय का कप खाली करते हुए पत्नी से कहा।

पता नहीं दस बार तो पूछ चुकी हूं। वह मुंह खोलने की राजी नहीं है।

अरे कैसी मां हो जवान बेटी है उसकी परेशानी हम नहीं तो क्या पड़ोसी आएंगे पूछने। बुलाओ उसे मैं पूछता हूं, कहते हुए पिता ने अंदर कमरे में बैठी बेटी को बुलाकर अपने बराबर में पड़ी कुर्सी पर बैठने को कहा। पूजा (बदला नाम) सिर झुकाकर चुपचाप बैठ गई तो पिता ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए उसकी परेशानी पूछी। इसके जबाव में पूजा पहले तो बात को टालने की कोशिश करती रही लेकिन जब पिता ने जोर देकर उससे पूछा तो वह अपने पिता के कंधे पर सिर रखकर रोने लगी।

बेटी को यूं रोता देख पिता का दिल भर आया। उन्होंने बेटी को गले से लगाते कहा, मन पर जो बोझ है उसे बता दो तो दिल हल्का हो जाएगा। पिता ने हिम्मत बंधाई तो पूजा ने अपने ऊपर बीती सारी बात उनको बता दी। बेटी के साथ हुई शर्मनाक घटना का सुनकर वे चौंक गए। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। पूजा ने बताया कि लवकुश ने उसका वीडियो भी बना लिया है। जिसे वायरल करने की धमकी देकर वह अब तक 22 लाख रुपए उससे झटक चुका है। मामला गंभीर था। इसलिए काफी सोच विचार के बाद उसी दिन रात में वह पूजा को लेकर ग्वालियर आ गए। जहां दूसरे दिन सुबह उन्होंने गोले का मंदिर थाने जाकर टीआई हरेन्द्र शर्मा को पूरी बात बताते हुए आरोपी लवकुश गुर्जर और उसके दो दोस्तों के खिलाफ बलात्कार एवं ब्लैकमेलिंग को केस दर्ज करवा दिया।

घटना की जानकारी एसपी धरमवीर सिंह को मिलने पर उन्होंने टीआई के नेतृत्व में एक टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित कर दी। लेकिन पिता के संग पूजा के ग्वालियर आकर थाने जाने की जानकारी लवकुश को लग गई इसलिए वह पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही घर से फरार हो गया। जिससे टीआई श्री शर्मा ने अपने मुखबिरों की एक टीम लवकुश का ठिकाना पता करने के काम में लगा दी। जिसके चलते दो दिन बाद उसे फैक्टरी रोड से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में वह पहले तो ऐसी किसी घटना से इंकार करता रहा लेकिन जब पुलिस ने उसके साथ सख्ती बरती तो उसने अपना अपराध स्वीकार करते हुए अपने दोस्तों के नाम भी बता दिए। जिसके बाद पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज देने के बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

पूजा गोरमी कस्बे के एक बड़े व्यापारी परिवार से है। चार साल पुरानी बात है जब पूजा केवल 15 साल की थी। स्कूल में उसके साथ मोहल्ले का ही एक युवक लवकुश गुर्जर भी पढ़ा करता था। दूसरे लड़कों की तरह लवकुश भी पूजा को पसंद करता था और उससे दोस्ती करने की कोशिश में लगा रहता था। इसी बीच उसकी दोस्ती पूजा की एक सहेली से हो गई। लवकुश ने पूजा की सहेली से उसकी दोस्ती पूजा से करवाने को कहा। इस पर पहले तो उस लड़की ने ऐसा करने से मना किया लेकिन जब लवकुश उसके पीछे ही पड़ गया तो एक रोज उस लड़की ने पूजा का मोबाइल नंबर लवकुश को दे दिया।

फोन नंबर मिलने से लवकुश अगले ही दिन से पूजा को गुडमार्निंग का मैसेज बिना नागा किए भेजने लगा। पूजा ने पहले तो इस पर ध्यान नहीं दिया लेकिन जब नियमित तौर पर इस नंबर से मैसेज आने लगे तो एक रोज पूजा ने इस नंबर पर फोन लगाया तो लवकुश ने न केवल अपना नाम बता दिया बल्कि पूजा से दोस्ती करने की इच्छा भी जाहिर कर दी। लेकिन पूजा ने लवकुश की बात का कोई जबाव न देते हुए फोन काट दिया।

पूजा को लगता था कि शायद अब लवकुश आगे से उसे मैसेज नहीं करेगा। लेकिन लवकुश के मैसेज पहले की तरह रोज आते रहे। जिससे धीरे-धीरे पूजा के मन में भी लवकुश के प्रति प्यार की कोपले फूटने लगी। जिसके चलते एक रोज पूजा ने भी उसके मैसेज का रिप्लाई कर दिया। कहना नहीं होगा कि इसके बाद दोनों की प्रेम कहानी जल्द ही पटरी पर दौड़ने लगी।

लेकिन एक दिन बेटी के इश्क की भनक घर वालों को लग गई। पूजा का परिवार कस्बे को सम्मानित परिवार है। इसलिए पिता को अपनी बेटी की चिंता होने लगी। इसलिए पहले तो उन्होंने पूजा को समझाया और ऐसी बातों से दूर रहने को कहा। लेकिन प्यार की आग एक बाद सुलग जाए तो फिर आसानी से शांत नहीं होती। इसलिए जब उन्होंने देखा कि पूजा और लवकुश की दोस्ती लगातार आगे बढ़ रही है तो उन्होंने पूजा को ग्वालियर में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के घर भेजकर यही एक कॉलेज में उसका दाखिला करवा दिया।

लेकिन लवकुश का इरादा तो कुछ और ही था। इसलिए पूजा के ग्वालियर में रहकर पढ़ने की बात मालूम चलने पर लवकुश भी ग्वालियर आ गया। यहां उसने पूजा के रिश्तेदार के घर के पास ही एक कमरा किराये पर लेकर उसमें रहने लगा। जिसके बाद पूजा और लवकुश की मुलाकातें फिर होने लगी।

अब पूजा 19 साल की हो चुकी थी। उम्र के साथ उसका रुप और भी निखर आया था। इसी बीच लवकुश पूजा से शारीरिक रिश्ते की मांग करने लगा लेकिन पूजा हर बार उसकी बात टाल देती। जिसके चलते लवकुश अब मौके की तलाश में रहने लगा। कोई एक साल पहले ग्वालियर में रहने वाले पूजा के रिश्तेदार एक शादी में शामिल होने गए थे। इस बात की जानकारी लवकुश को लगने पर वह अपने साथ दो दोस्तों को लेकर पूजा के घर में दाखिल हुआ और पूजा के लाख मना करने पर भी उसने पूजा के साथ बलात्कार कर डाला। इसके साथ ही लवकुश के साथ आए दोस्तों ने लवकुश और पूजा का अश्लील वीडियो बना लिया। साथ ही यह बात किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी।

लवकुश द्वारा बलात्कार करने और उसका वीडियो बनाने की बात से पूजा बुरी तरह डर गई। उसे लवकुश से ऐसी उम्मीद नहीं थी कि वो उसके साथ ऐसा करेगा। फिर भी पूजा इस घटना को एक बुरा सपना मानकर भूलने की कोशिश करने लगी। लेकिन चार दिन बाद ही लवकुश ने उसे फोन पर वह वीडियो भेज दिया जो उसने बलात्कार के दौरान बनाया था। एक युवती को अपना इस तरह का वीडियो देखना मौत से भी ज्यादा कष्टदायक होता है। इसलिए उसने तुरंत वीडियो डिलीट कर लवकुश को फोन लगाकर इसको डिलीट करने का बोला।

डिलीट करने के लिए थोड़ी न बनाया है इसे। पूजा की बात सुपकर लवकुश ने जहरीली हंसी हंसते हुए कहा। हां अगर तुम चाहती हो कि इसे डिलीट कर दूं तो इसकी कीमत देना होगी।

क्या कीमत चाहिए तुम्हें?

ज्यादा नही बस पांच लाख रुपया दे दो फिर में इसे डिलीट कर दूंगा।

इतना पैसा मैं कहां से लाऊंगी?

गोले के मंदिर थाने में मामले में कार्यवाही करती पुलिस।

पापा की तिजौरी से और कहां से। सोच लो अगर तुमने हफ्ते भर में पैसा लाकर नहीं दिया तो यह वीडियो वायरल कर दूंगा। लवकुश ने धमकी दी तो पूजा बोली ठीक में जब घर जाऊंगी तो लाकर दे दूंगी। गुड गर्ल। लवकुश ने कहते हुए फोन रख दिया।

पूजा जल्द से जल्द वीडियो डिलीट करवाना चाहती थी। इसलिए दो दिन बाद ही वह बहाने से घर गई और वहां से पांच लाख रुपया घर से चुराकर लवकुश को देने के बाद वीडियो डिलीट करने कहा। लेकिन लवकुश ने उसकी बात का जबाव नहीं दिया। उल्टे हफ्ते भर बाद उसने पांच लाख की और मांग की। दरअसल वह जानता था कि पूजा के घर में बेशुमार पैसा है इसलिए वह ज्यादा से ज्यादा रकम हड़पना चाहता था। पूजा ने पुलिस को बताया कि कभी पांच लाख कभी दो लाख ऐसे करके लवकुश उससे 22 लाख रुपया झटक चुका था। लेकिन इसके बाद भी उसकी मांग कम नहीं हो रही थी। जिससे पूजा परेशान रहने लगी थी। इसलिए जब उसके पिता ने उससे पूछा तो सच बताने के अलावा कोई दूसरा चारा नहीं था। इसलिए बेटी के साथ हुए बलात्कार और ब्लैकमेलिंग की बात सुनकर पिता ने थाने में मामला दर्ज करवा दिया जिससे आरोपी को सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

दोस्तों ने बनाया था वीडियो

पूजा ने बताया कि एक रोज जब में घर पर अकेली थी तब लवकुश अपने दो दोस्तों के साथ घर में जबरन घुस आया और उसने मेरे साथ बलात्कार किया। इस दौरान उसके दोस्त पहरा भी देते रहे और वीडियो भी बना लिया। बाद में इसी वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर लवकुश उसे ब्लैकमेल कर रहा था।

पड़ोस में आकर रहने लगा था आरोपी

अरोपी लवकुश गुर्जर।

पूजा और लवकुश दोनों ही एक कस्बे के रहने वाले है। बचपन में दोनों साथ पढ़ते थे। पूजा के प्रेम प्रसंग की जानकारी लगने पर उसके परिवार ने पूजा को रिश्तेदार के यहां ग्वालियर भेज दिया था। जिसके बाद लवकुश भी ग्वालियर आकर उसी मोहल्ले में रहने लगा था जहां पूजा के रिश्तेदार रहते हैं।

ललितपुर

भाभी के इश्क में देवर ने की थी भाई की हत्या

पति की शराब की लत से परेशान भारती आए दिन अपने देवर से आर्थिक सहायता मांगने उसके घर जाती रहती थी। ऐसे में जब एक दिन देवर घर में अकेला था तो ...

देवर-भाभी

21 जून की सुबह का वक्त था जब ललितपुर जिले के मड़ावरा थाना टीआई को बम्होरी कला गांव के एक खेत में नर कंकाल पड़े होने की खबर मिली। कंकाल काफी पुराना था जिसे कुत्तों आदि ने झाड़ी में बने एक गड्ढे से खींच कर निकाल दिया था।

टीआई, मडावरा

मौके पर गांव का हरिसिंह मौजूद था जिसने कपड़ों के आधार पर शव की पहचान अपने बेटे प्रताप के रुप में कर दी जो दस दिन से लापता था। शव की पहचान होने पर एसपी मोहम्मद मुश्ताक ने टीआई मडावरा की एक टीम गठित कर दी। पुलिस ने सबसे पहले गांव के उन तीन लोगों को राउंड अप किया जिनके खिलाफ हरिसिंह ने नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। लेकिन पूछताछ के दौरान यह साफ हो गया कि पिता ने केवल पुरानी रंजिश के चलते तीनों का नाम रिपोर्ट में लिखवाया था।

इसलिए पुलिस टीम दूसरे ऐंगिल से घटना की जांच करने लगी। जिसके लिए गांव के लगभग एक सैकड़ा लोगों से पूछताछ की गई लेकिन कुछ हाथ नहीं आया। इस बीच पुलिस को इस बात की जानकारी लग चुकी थी कि मृतक प्रताप को शराब पीने की बुरी लत थी। वह दिन भर शराब के नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करता रहता था। शराब में उसकी बर्बादी का आलम यह था कि शराब की लत के कारण प्रताप और उसकी पत्नी भारती (बदला नाम) को घर चलाने के लिए खुद अपने चचेरे भाई उज्जवल के खेतों में मजदूरी करना पड़ती थी।

यहां से भी उज्जवल को जो पैसा मिलता था वह सब का सब शराब में उड़ा देता था। धीरे-धीरे प्रताप की हत्या हुए 19 महीने का लंबा समय बीत गया लेकिन पुलिस को आरोपी के बारे में कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन जब पुलिस को इस बात की जानकारी लगी कि मृतक शराब का आदि था और अक्सर गांव की कलारी पर ही उसका ज्यादा समय कटता था तो

प्रताप की लाश बरामद करती पुलिस।

पुलिस ने यहां अक्सर बैठने वाले शराबियों की भीड़ में अपने मुखबिर शामिल कर दिए। इस काम में थोड़ा समय जरूर लगा लेकिन एक दिन पुलिस को खबर मिल ही गई कि जिस रोज मृतक प्रताप घर से लापता हुआ था उस रोज प्रताप का चचेरा भाई रात में उसका पता पूछते कलारी पर आया था। यह महत्वपूर्ण खबर थी क्योंकि मृतक प्रताप और उसकी पत्नी भारती दोनों की उज्जवल के खेत पर काम करते थे। ऐसे में पुलिस को एक शक देवर भाभी के अवैध रिश्ते का भी होने लगा था। क्योंकि जांच के दौरान पुलिस यह बात भली प्रकार समझ चुकी थी कि शराबी प्रताप की पत्नी भारती बेशुमार सुंदर थी।

इसलिए पुलिस ने उज्जवल की गतिविधियों पर नजर रखने के बाद 8 जनवरी को उसे पूछताछ के लिए उठा लिया। इससे पहले भी उज्जवल से कई मर्तबा पूछताछ हो चुकी थी इसलिए उसने अपने जबावों में वही बताया जो वह पहले भी बता चुका था। लेकिन टीआई अशोक वर्मा समझ चुके थे कि उज्जवल पहले की पूछताछ की तुलना में बहुत ज्यादा डरा हुआ है। दरअसल घटना के 19 महीने बीतने के बाद अगर किसी को पूछताछ के लिए बुलाया जाता है तो इसका सीधा सा अर्थ होता है कि पुलिस को कोई महत्वपूर्ण खबर मिल चुकी है। इसलिए उज्जवल ने जब जबाव देने में हीला हवाली की तो पुलिस ने उसके साथ सख्ती बरतना शुरू कर दिया। जिससे जल्दी ही वह टूट गया और उसने अपनी प्रेमिका भाभी को पति प्रताप की मारपीट से छुटकारा दिलाने के लिए उसकी हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

ललितपुर जिले के मुडावरा थाना सीमा में बसे बम्होरी कला गांव में एक ही खानदान के दो परिवारों की आर्थिक स्थिति में जमीन आसमान का अंतर था। प्रताप और उज्जवल के पिता को पुश्तैनी जमीन का बराबर हिस्सा मिला था। जिसके चलते उज्जवल ने अपनी मेहनत से जमीन का रकवा और बढ़ा लिया था वहीं प्रताप ने अपने वाप दादों की पूरी जमीन शराब की लत में गंवा दी थी। जिसके चलते परिवार पर दया कर उज्जवल ने प्रताप और भारती को अपने खेतों में मजदूरी पर रख लिया था। भारती बेहद सुंदर होने के अलावा स्वभाव में भी काफी मिलनसार थी इसलिए एक समय था जब उज्जवल की अपनी भारती भाभी से खूब बनती थी। इसलिए जब भारती उज्जवल के खेत पर काम करने आने लगी तो एक बार फिर भारती और उज्जवल के बीच हंसी मजाक होने लगी। जिससे धीरे-धीरे उज्जवल की नीयत भाभी की सुंदरता पर डोलने लगी। इसलिए प्रताप के शराब में पैसा उड़ाने के कारण जब जरूरी खर्च के लिए भारती उज्जवल से मदद मांगती तो वह बिना इंकार के उसे पैसा दे देता। जिससे दोनों के बीच प्रताप को लेकर बातें होने लगी। इस दौरान उज्जवल को समझ में आ गया कि शराब के नशे के कारण प्रताप भारती को भी खुश नहीं कर पाता है। इसलिए उसका दिमाग भारती से संबंध बनाने की योजना बनाने लगा।

शराब की लत ने किया बर्बाद

मृतक प्रताप की शराब की लत ने दो परिवारों को बर्बाद कर दिया। प्रताप की मौत के बाद जहां भारती विधवा हो गई वहीं प्रताप की हत्या के जुर्म में उज्जवल के जेल चले जाने से उसका परिवार भी आर्थिक तंगी में फंस गया है।

ऐसे में कोई चार साल पहले जब एक रोज भारती उज्जवल से कुछ पैसा मांगने उसके घर आई तब संयोग से उज्जवल घर में अकेला था। इसलिए उसने मौके का फायदा उठाते हुए पैसा देते वक्त भारती की अंगुली धीरे से दबा दी। यह देखकर भारती मुस्करा कर जाने लगी तो उज्जवल की हिम्मत बढ़ गई उसने तत्काल भारती को रोकते हुए कहा रुको और पैसे लेती जाओ।

यह मेहरबानी देवर जी क्यों कर रहे हैं? उज्जवल

पुलिस गिरफ्त में आरोपी देवर उज्ज्वल।

के हाथ से पैसा लेते हुए भारती ने कहा।

आप अच्छी तरह से जानती हो।

और मैं तुम्हारी यह मेहरबानी स्वीकार न करु तो?

न करो लेकिन अपने दीवाने देवर पर खुद की मेहरबानी तो कर दो।

आज नहीं फिर कभी, कहकर भारती जाने लगी तो उज्जवल ने उसे पकड़ लिया और सीधे बेडरुम में ले गया जहां देवर भाभी के बीच अनैतिक रिश्ते बन गए। इस घटना के बाद उज्जवल और भारती आए दिन खेत पर शारीरिक रिश्तों का सुख लूटने लगे।

पैसों की मदद करने के बदले बनाए थे भाभी से संबंध

demo pic.

प्रताप की शराब पीने की लत के कारण भारती अक्सर घर खर्च के लिए अपने देवर उज्जवल से पैसा मांगती रहती थी। उज्जवल भी उसे कभी पैसों के लिए मना नहीं करता था। इस दौरान उज्जवल को प्रताप की शारीरिक कमजोरी की जानकारी लगी तो उसने मौके का फायदा उठाकर भारती से अवैध संबंध बना लिए थे।

इसके लिए उज्जवल अक्सर प्रताप को शराब पीने पैसे देने लगा। पैसा लेकर प्रताप शराब पीने चला जाता तो पीछे उज्जवल और भारती अपने वासना के खेल में डूब जाते।

प्रताप आए दिन भारती से मारपीट करता रहता था जिसके चलते कई बार शरीर दर्द के कारण भारती, उज्जवल के साथ संबंध बनाने से मना कर देती थी। इससे उज्जवल ने प्रताप को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की ठान ली। उसने पुलिस को बताया कि 11 जून को रात 8 बजे पत्नी के संग मारपीट कर प्रताप और शराब पीने कलारी की तरफ जाते दिखा। इससे पीछे से मैं भी वहां पहुंच गया और कुछ लोगों से प्रताप का पता पूछकर कुंजी अहिरवार के खेत पर पहुंच गया जहां प्रताप बैठा था। वहां हम दोनों के बीच भारती के संग मारपीट करने को लेकर विवाद हुआ जिसके बाद मैंने उसका गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद घर से नमक और तेजाब ले जाकर उसका शव गड्ढे में डालकर ऊपर से तेजाब और नमक डाल दिया ताकि किसी को लाश का पता भी न चल सके।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 1 का शेष

भोपाल में देह-व्यापार एवं ह्यूमन ट्रेफिंग का चर्चित मामला

...सौदागर

पाप के सौदागरों की यह कुकर्म गाथा जिस मासूम के आसपास सिमटी हुई है उसे दो साल पहले सलमान नाम के एक आटो चालक ने अगवाकर आशुतोष को सौंप दिया था। इसके बाद ठेढ़ साल तक आशुतोष और उसकी पत्नी महक ने मासूम बेबी के जिस्म को पैसा छापने की मशीन बनाकर उपयोग किया। इसके बाद इस गिरोह ने बेबी को लुटेरी दुल्हन का प्रशिक्षण देकर अशोकनगर जिले के एक कस्बे में रहने वाले युवक को 2 लाख रुपये के बदले पत्नी बनाकर सौंप दिया। योजना अनुसार बेबी को ससुराल से सारा माल समेटकर आशुतोष के पास वापस आना था लेकिन दो साल से 'बाजार' की सड़ांध में सांस लेने वाली बेबी को पति और परिवार का मतलब समझ आया तो उसने आशुतोष के पास वापस आने से इंकार कर दिया। जिसके चलते पाप के इन सौदागरों की दुकान पर ताला लग गया।

हरिनारायणचारी मिश्र
पुलिस कमिशनर

वह तो सपने में भी नहीं सोच रहा था कि दो लाख रुपया लेकर बेबी की साथ उसकी शादी करने वाले आशुतोष ने दरअसल बेबी को लुटेरी दुल्हन बनाकर उसका घर लूटने के वास्ते भेजा था। ताकि शादी के कुछ दिन बाद बेबी घर से सारा सोना-चांदी और नगदी समेटकर फरार हो सके। लेकिन शादी के बाद बेबी ससुराल में आकर आशुतोष का सिखाया पाठ भूल गई थी। उसने सोच लिया था कि वह अपनी ससुराल वालों और पति का भरोसा नहीं तोड़ेगी। इसलिए वह बार-बार आशुतोष के साथ जाने से मना करती थी। क्योंकि आशुतोष हर बार आने से पहले उसे फोन कर देता था कि वह सारे जेवर और नगदी पैसा समेट कर तैयार रहे वो लिवाने आ रहा है।

बेबी चाहती थी कि उसका पति यह बात अपने माता-पिता को न बताए। लेकिन पति ने उसे भरोसा दिलाया कि उसके माता-पिता ऐसे नहीं हैं जो तुम्हें अपराधी माने। बल्कि हम उन्हें सब कुछ सच बता देंगे तो वह हमारी मदद ही करेंगे।

लेकिन एक बार फिर सोच लो क्या वो ऐसी लड़की को बहू बनाकर घर में रखने तैयार होंगे जो दो साल तक कालगर्ल बनकर सैंकड़ों पुरुषों की हवस का शिकार बन चुकी है।

प्रियंका शुक्ला
डीसीपी

इसमें तुम्हारी तो कोई गलती नहीं है न? फिर यह सब तुम मुझ पर छोड़ दो। पति ने बेबी को सीने से लगाकर सांत्वना देते हुए कहा और फिर पूरी बात जाकर अपने माता-पिता को सुना दी।

ऐसी बात और वो भी परिवार की इज्जत से जुड़ी हो तो कौन ऐसा होगा जिसके पैरों तले से जमीन न खिसक जाएगी। बेबी के सास-ससुर के साथ भी ऐसा ही हुआ। इसके बाद चार दिन तक पिता-पुत्र में विचार विमर्श होता रहा जिसके बाद 21 जनवरी की सुबह बेबी के पति और ससुर उसे लेकर भोपाल के अशोका गार्डन थाने आ गए।

बेबी को साथ लेकर उसके पति ने अशोका गार्डन टीआई हेमंत श्रीवास्तव को पूरी बात सुनाई तो वह बुरी तरह चौंक गए। उन्होंने इस बात की जानकारी तत्काल की अपने उच्चाधिकारियों को दे दी। जिससे डीसीपी प्रियंका शुक्ला खुद अशोकागार्डन थाने पहुंची और बेबी की पूरी बात सुनने के बाद जांच की जिम्मेदारी एसआई पवन सेन को सौंपने के बाद तत्काल एक टीम ई-2 अरोरा कालोनी में रहने वाले आशुतोष वाजपेयी के ठिकाने पर रवाना कर दी। जहां पुलिस ने मौके पर मौजूद आशुतोष और उसकी तथाकथित दूसरी पत्नी महक यादव को देह-व्यापार एव ह्यूमन ट्रेफिंग के आरोप में गिरफ्तार कर उन्हें अशोका गार्डन थाने लाया गया जहां पूछताछ में दोनों पहले तो बेबी के सभी आरोपों से इंकार करते रहे लेकिन जब उन्होंने देखा कि उनकी दाल नहीं गलने वाली तो दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

बूढ़े लोग सबसे ज्यादा ग्राहक

पीड़िता बेबी ने बताया कि आशुतोष के यहां जो ग्राहक आते थे या जिनसे मिलने के लिए मुझे होटल ले जाया जाता था उनमें से सभी ग्राहक मेरे पिता की उम्र जैसे होते थे। होटल वाले ग्राहक ज्यादा परेशान करते थे वह मोबाइल पर अश्लील फिल्म दिखाकर उसी तरह से हरकत करने का दबाव बनाते थे। अक्सर ग्राहक ओरल सेक्स और दूसरे तरीके से अप्राकृतिक सेक्स करने की डिमांड करते थे। ऐसे में एक बार तो सांस घुटने के कारण में मरते-मरते बची थी।

दूसरे दिन आरोपियों को अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ के लिए पुलिस ने रिमांड पर ले लिया। जिसके बाद आरोपियों से मिली जानकारी और पीड़िता बेबी के बयानों के बाद एक अनाथ नाबालिग किशोरी के जीवन के इस काले अध्याय की दुख:द दास्तां इस प्रकार सामने आई।

वह 2023 में जनवरी महीने की एक ठंडी रात थी। गरीब मालिक की तरह ही उनकी गरीब झोपड़ियों के टूटे छप्पर और दरवाजे ठंडी हवाओं को रोकने में असहाय होते हैं। इसलिए उस रात भी अशोका गार्डन इलाके में ऐसी एक झोपड़ी में 17 साल की किशोरी बेबी ठंड से बचने के लिए अपने घुटनों को सीने से चिपकाकर कंपकपी रोकने की असफल कोशिश कर रही थी। पास ही बिस्तर पर उसका मामा शराब पीकर बेसुध पड़ा था। मामा ने आज शाम फिर घर आने के बाद बेबी को अपने बिस्तर में खींचने की कोशिश की थी। बेबी कर भी क्या सकती थी। पिता दूसरी औरत के साथ चले गए थे और मां भगवान के पास। माता-पिता के न रहने पर मामा ही उसका एक मात्र सहारा था जो अपनी मदद की कीमत बेबी के तन से वसूलना चाहता था। बेबी जानती थी कि आज तो मामा के ज्यादा नशे में होने के कारण वह बच गई लेकिन एक ही छत के नीचे रहते हुए वह कब तक खुद को मामा की वासना से बचा पाती। इसलिए कुछ सोचकर उसने मामा का घर छोड़ने का फैसला कर उस अंधेरी रात में अपनी जिंदगी के हिस्से का उजाला तलाशने सूनी पड़ी सड़कों पर निकल पड़ी।

बेबी पहली बार इतनी रात में घर से बाहर निकली थी। इसलिए डर के कारण उसका दिल और कड़ाके की ठंड के कारण पूरा शरीर कांप रहा था। बेबी ने बताया कि वह चलते हुए प्रभात पेट्रोल पंप चौराहे पर पहुंची तो मुझे अकेला देखकर एक आटो वाले ने अपना आटो मेरे पास आकर रोकते हुए मुझसे बैठने को कहा। जब मैंने अपने पास पैसे न होने की बात कही तो वह बोला पैसा कौन मांग रहा है। इतनी रात में अकेली कहां जाओगी, बैठ जाओ में छोड़ दूंगा। मेरे आटो में बैठने के बाद उसने आटो एक पास के होटल के बाहर खड़ा कर अंदर जाकर होटल वाले से कुछ बात की फिर मुझसे बोला कि मुझे यहां थोड़ी देर काम है तुम यहां ठंड में बैठकर क्या करोगी अंदर आ जाओ।

होटल में वह मुझे एक कमरे में ले जाते ही राक्षस की तरह मेरे ऊपर टूट पड़ा। मैं उसके हाथ पैर जोड़ती रही लेकिन वह तब तक नहीं माना जब तक उसने मेरे साथ कई बार बुरा काम नहीं कर लिया। सुबह वह मुझे एक बड़े से बंगले में ले गया। जहां आशुतोष और महक मौजूद थी। आटो वाले ने मुझसे कहा कि ये साहब तुम्हें काम पर रखने तैयार हैं अब तुम इसी बंगले में आराम से रहना। मुझे डर लग रहा था लेकिन आटो वाले हैवान के साथ जाने में कौन सी सुरक्षा थी इसलिए शायद यहां मेरे ऊपर जुल्म न हो यह सोचकर मैंने बंगले में रुकना ही ठीक समझा।

दोपहर में बंगले में काम करने वाली आई तो महक मेम साहब के कहने पर वह मुझे बाथरूम में ले गई और बहुत ही महकदार साबुन से अच्छी तरह नहलाने के बाद कीमती कपड़े भी पहनने के लिए दिए। अब तक मैडम ने मुझे कोई काम नहीं बताया था उल्टे मुझे सजाया संवारा जा रहा था। यह बात मेरी समझ में उस समय आई जब शाम होते की महंगी कार सेठ जैसा दिखने वाला बूढ़ा सा आदमी वहां आया। आशुतोष मुझे लेकर उसके पास गया फिर दोनों में कुछ बात हुई जिसके बाद आशुतोष मुझे उस आदमी के साथ एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उस आदमी ने मेरे साथ वही किया जो एक रात पहले आटो वाले सलमान ने किया था।

देह-व्यापार और ह्यूमन ट्रेफिंग के इस गिरोह में अब तक ढाई दर्जन लोगों की पहचान हो चुकी है। पुलिस उन होटल्स की कुंडली भी खंगाल रही है जहां रुकने वाले यात्रियों को रात रंगीन करने के लिए बेबी को सप्लाई किया जाता था।

में शराब पीने से मना करती तो मुझे बेरहमी से पीटा जाता था। महक तो इतनी बुरी तरह मेरी पिटाई करती थी कि कभी-कभी मैं बेहोश तक हो जाती थी। लेकिन इससे उन दोनों को कोई फर्क नहीं पड़ता था।

बेबी ने पुलिस को बताया कि कुछ समय बाद मुझे दिन के समय में कमरे में बंद रखना छोड़ दिया गया लेकिन मुझे बाहर आंगन में जाने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान मैंने देखा कि दिन के समय में आशुतोष के यहां कई ऐसी लड़कियां भी आती थी जो निश्चित की किसी कॉलेज से सीधे वहां आती थी। इन लड़कियों के आते की आशुतोष फोन करके कुछ चुने हुए लोगों को बुलाकर लड़कियों को उनके हवाले कर देते थे। इनमें से अधिकांश लड़कियां शराब और सिगरेट पीती थी। कई लड़कियों को कार वाले अपने साथ भी ले जाते थे। कई बाद विदेशी गोरी मेम को भी मैंने आशुतोष के यहां आकर शराब पीने के बाद बड़े साहब जैसे दिखने वाले लोगों के साथ कमरे में जाते देखा।

कुछ समय और बीत जाने के बाद मुझे अलग-अलग होटल्स में भेजा जाने लगा। होटल में मुझे आशुतोष के साथ काम करने वाले शोभाराम और गुड्डू नाम के आदमी कार से लेकर जाते थे। होटल में ज्यादातर बुड्ढे लोग होते थे जो बाहर के शहरों से भोपाल में किसी काम से आते थे। कुछ लोग भोपाल के भी होते थे जो पत्नी से छुपकर होटल में मुझे बुलाते थे। शेष पृष्ठ 7 पर...

कुकर्म देखकर छोड़ा पत्नी ने

सरगना की तथाकथित दूसरी पत्नी आरोपी महक।

पिता ओर नाना की सामाजिक हैसियत के चलते आशुतोष की शादी एक योग्य एवं शिक्षित युवती से हुई थी। जिसने आशुतोष की आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए इससे नाता तोड़ लिया। आशुतोष के साथ गिरफ्तार हुई महक को आशुतोष अपनी दूसरी पत्नी बताता है। गिरफ्तारी के समय महक को सात माह का गर्भ है।

दो दर्जन से अधिक आरोपी चिन्हित किए जा चुके हैं

हेमंत श्रीवास्तव, टीआई, अशोकागार्डन

अशोका गार्डन टीआई हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि इस मामले में दो दर्जन से अधिक आरोपियों की पहचान कर ली गई है। मुख्य 7 आरोपियों में छह को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि शोभाराम विश्वकर्मा की तलाश की जा रही है। प्रकरण की जांच में आए तथ्यों के बाद एसआईटी बनाई गई। जिसमें प्रकरण से जुड़े आरोपियों को उनकी भूमिका के साथ चिन्हित करने का काम शुरु किया गया। एसआईटी ने इस प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धाराओं में प्रकरण 50/25 दर्ज करने का फैसला किया। यह प्रकरण 31 जनवरी की शाम साढ़े चार बजे दर्ज किया गया है। पुलिस ने अब इस प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ एक दर्जन से अधिक धाराएं बढ़ा दी है।

पति-पत्नी के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं

पुलिस के अनुसार आरोपी आशुतोष वाजपेयी के खिलाफ यह 10 वां आपराधिक प्रकरण है जबकि उसकी तथाकथित पत्नी महक के खिलाफ भी 5 मामले दर्ज हैं। आशुतोष वाजपेयी और महक यादव पहले क्राइम ब्रांच और और शाहपुरा थाना क्षेत्र में देह व्यापार और मानव दुर्व्यापार प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके हैं। क्राइम ब्रांच ने 2019 में देह व्यापार के साथ आबकारी एक्ट में आशुतोष उर्फ आशु वाजपेयी के साथ मिथलेश पुरार्इना को भी गिरफ्तार किया था। इसी प्रकार थाना क्राईम ब्रांच ने देह व्यापार और ब्लैकमेलिंग के मामले में आरोपी मिथि ठाकुर, शशांक पोद्दार उर्फ शेंकी, डिम्पी खान, मकबूल अली, अर्जुन पटेल, निशांत महोले, मोहम्मद नवेद, अंजली महोले को भी गिरफ्तार किया था। इसके अलावा शाहपुरा थाना पुलिस ने आरोपी योजेश कुमार, कुलदीप उर्फ कुनाल उर्फ करन सिंह, रितुल कुमार पाण्डेय, सुरेन्द्र उर्फ सागर चौहान, इन्द्र बहादुर सिंह को साथ में गिरफ्तार किया था। इन सभी आरोपियों की भूमिका नाबालिग को देह व्यापार में धकेलने और बेचने में पाई गई है।

नवंबर 2023 में भी देह-व्यापार के आरोपी में गिरफ्तार हुआ था सरगना आशुतोष वाजपेयी।

गिरोह का सरगन आशुतोष वाजपेयी कभी भोपाल के प्रसिद्ध डॉक्टर रहे नाना का नाती और डॉक्टर पिता का बेटा है। बचपन से लगी अय्याशी की लत के कारण आशुतोष कॉलेज में अपनी डिग्री भी पूरी नहीं कर सका। उसकी पहली पत्नी उच्च शिक्षित है जिसने आशुतोष के कुकर्म देखकर उससे दूरी बना ली है। आशुतोष की तथाकथित दूसरी पत्नी महक गर्म गोश्त के इस कारोबार में बराबर की शरीक है। पुलिस ने 7 माह की गर्भवती महक को भी आरोपी बनाकर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पन्द्रह साल से चला रहा है सेक्स रैकेट

सरगना आशुतोष वाजपेयी

गिरोह का सरगना आशुतोष वाजपेयी पिछले 15 साल से देह-व्यापार के धंधे से जुड़ा है। उसके रैकेट में देश भर की कालगर्ल के अलावा विदेशी कालगर्ल भी शामिल है। आशुतोष के ग्राहक भी हाईप्रोफाइल सोसायटी से हैं जिनसे वह लड़कियों की उम्र और फिगर साइज के हिसाब से पैसा वसूलता है। राजधानी के अनेक होटल्स में भी आशुतोष कालगर्ल की सप्लाई करता है। होटल में लड़कियों को ले जाने का काम राधेश्याम और गुड्डा करते थे।

नाना-पिता डॉक्टर, बेटा दलाल

आशुतोष वाजपेयी के नाना और पिता दोनों की भोपाल के नामी डॉक्टर रह चुके हैं। अरेरा कालोनी का आलीशान बंगला उसके पिता ने ही बनवाया था जिसे बेटे ने देह-व्यापार का अड्डा बना दिया। आशुतोष ने सेकिंड ईयर तक की पढ़ाई की है। इसके बाद लड़कियों में ज्यादा रुचि होने के कारण वह आगे नहीं पढ़ सका।

दो साल पहले दर्ज हुआ था गुमशुदगी का मामला

पवन सेन, जांच आधिकारी।

मामले में जांच अधिकारी एसआई पवन सेन का कहना है कि पीड़ित किशोरी की गुमशुदगी दो साल पहले जनवरी 23 में दर्ज करवाई गई थी। जिसके बाद से पुलिस लगातार किशोरी की तलाश कर रही थी। जिसे अब बरामद किया गया है।

दो लाख लेकर लुटेरी दुल्हन बनाकर की थी शादी

अशोकनगर जिले के जिस युवक से बेबी को बालिग बताकर शादी की गई थी उससे आशुतोष और महक ने दो लाख रुपया लिया था। योजना अनुसार बेबी को शादी के चंद रोज बाद ही पति के घर से सारा माल समेट कर वापस आशुतोष के नरक में आना था ताकि वह बार-बार उसे लुटेरी दुल्हन बनाकर माल कमा सके। लेकिन बेबी ने शादी के बाद पति को सब कुछ बता दिया जिससे यह गिरोह पुलिस गिरफ्त में आ गया।

में समझ गई कि किस्मत ने मुझे गड्ढे से निकालकर ऐसे अंधेरे कुएं में ला पटका है जहां निकलने का कोई रास्ता मेरे पास नहीं था। क्योंकि सुबह होते की मुझे एक कमरे में बंद करने के बाद शाम को ग्राहकों के आने पर बाहर निकाला जाता था। इससे पहले आशुतोष और महक दोनों की मुझे जबरन शराब पिला देते थे। उनका कहना था कि शराब पीने से मुझे दर्द नहीं होगा। अगर

आरोपी आशुतोष और महक के लिए काम करने वाले अन्य आरोपी जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया।

चित्रकूट

प्रेमी से दूर जाने की जिद में गई सीमा की जान

चार सालों तक प्रमोद की बाहों में दुनियादारी को जी भरकर जीने के बाद सीमा ने अपना दिल दूसरे युवक को सौंप दिया था। मगर प्रमोद अपने बचपन की मोहब्बत को खोना नहीं चाहता था इसलिए जब सीमा ने प्रमोद की बात नहीं मानी तो ...

demo pic.

जिद इश्क की

10 दिसंबर की शाम हवा में बढ़ती ठंडक को देखकर सतना जिले के बरौधा थाना सीमा में फैले कटोरिया जंगल में बने हनुमान मंदिर के पुजारी आग तापने के लिए लकड़ियां जमा करने के इरादे से अपने एक साथी को लेकर जंगल में सूखी लकड़ियां बीनने निकल पड़े। इस दौरान जब वह एक झाड़ी से सूखी लकड़ी खींच रहे थे तभी उनकी नजर झाड़ी के दूसरी तरफ जमीन पर लेटी किसी जवान लड़की पर पड़ी। लड़की शायद नशे में है यह सोचकर उन्होंने उस लड़की को एक दो आवाज दी और फिर पास जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। दरअसल जिस युवती को वह नशे में धुत्त समझ रहे थे वह लाश थी।

अशुतोष गुप्ता, एसपी

सूचना पाकर तत्कालीन बरौधा थाना टीआई आशीष धुर्वे अपनी टीम लेकर मौके पर पहुंच गए। लगभग 22 साल की युवती ने जींस और टॉप जैसे मार्डन कपड़े पहन रखे थे। उसके सभी कपड़े शरीर पर अपनी जगह थे और आसपास संघर्ष के निशान भी नहीं थे इससे टीआई समझ गए कि युवती अपने किसी परिचित के साथ यहां आई होगी। इसलिए मौके की प्रारंभिक जांच करने के बाद उन्होंने शव को पीएम के लिए भेजकर इसकी जानकारी सतना एसपी आशुतोष गुप्ता को दे दी।

शव की शिनाख्त करने के लिए पुलिस युवती की जींस की जेब में एक कागज पर लिखकर रखे फोन नंबर पर डायल किया तो पता चला कि मृतका उत्तरप्रदेश के हमीरपुर जिले की रहने वाली 22 वर्षीय सीमा (बदला नाम) है जो एक दवा कपंनी में काम करती थी। सीमा 9 दिसंबर की सुबह अपने घर में मंदिर जाने का बोलकर निकलने के बाद से लापता थी। जिससे उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट हमीरपुर जिले के मौदेहा थाने में दर्ज थी। लाश मिलने की सूचना पाकर परिजन बरौधा पहुंचे जहां उन्होंने शव को देखकर उसकी शिनाख्त सीमा के रुप में कर दी। इधर शव की शिनाख्त होते ही एसपी सतना ने टीआई बरौधा के नेतृत्व में एक टीम मामले की तह तक पहुंचने के लिए गठित कर दी।

पुलिस ने सीमा के हत्यारे तक पहुंचने के लिए उसके मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली तो पता चला कि उसकी सबसे अधिक बात बस्तीफतेपुर गांव में रहने वाले प्रमोद साहू से होती थी। जिस रोज 9 दिसंबर को सीमा घर से मंदिर जाने का बोलकर लापता हुई थी उस रोज भी उसकी मोबाइल पर आखिरी बात प्रमोद साहू से हुई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हो चुका था कि सीमा की गला घोंटकर हत्या की गई है इसलिए शक की सुई प्रमोद साहू की तरफ घूमने से बरौंधा पुलिस ने यूपी में मौदहा थाना पुलिस की मदद से प्रमोद पिता कालीचरण साहू को पूछताछ में लिया तो प्रमोद ने सीमा की हत्या करने की बात स्वीकार करते हुए पूरी कहानी सुना दी।

प्रमोद और सीमा कक्षा 12 तक एक ही साथ पढ़ते थे। स्कूल में ही दोनों की दोस्ती होने के बाद वह मन ही मन एक दूसरे को पसंद करने लगे। जिससे एक रोज प्रमोद ने एकांत में मौका पाकर सीमा का हाथ थाम लिया तो सीमा ने भी देर किए बिना अपना सिर प्रमोद के कंधे पर टिका दिया। स्कूल पास करने के बाद सीमा प्राइवेट बीएससी करने लगी जबकि प्रमोद ने बीए करने के लिए कॉलेज में एड़मीशन ले लिया। इसके बाद भी फोन के माध्यम से दोनों का प्यार लगातार परवान चढ़ता गया।

प्रमोद का सीमा के घर भी आना-जाना शुरू हो गया था। जिसके चलते उसने जल्द ही सीमा के परिवार वालों का भरोसा जीत लिया। जिससे जब भी परीक्षा देने या अन्य किसी काम से सीमा को कॉलेज जाने की जरूरत पड़ती तब प्रमोद ही उसे अपने साथ मोटर साइकल पर कॉलेज लाने-ले जाने लगा। इसी दौरान एक रोज मौका पाकर सीमा और प्रमोद कॉलेज जाने के बहाने घर से निकलकर घने जंगल में चले गए जहां के एकांत में न प्रमोद अपने ऊपर काबू रख पाया और न ही सीमा ने उसे रोका, नतीजा यह निकला कि उस रोज मन के अलावा दोनों के तन भी एकाकार हो गए। जिसके बाद प्रमोद और सीमा आए दिन अकेले में मिलने के मौके निकालने लगे। इसके लिए प्रमोद ने एक होटल मालिक से भी बात कर ली जिससे जब कभी सीमा को मौका मिलता वह घर से निकल कर होटल पहुंच जाती जिसके एक कमरे में घंटे दो घंटे प्रमोद के साथ बिताने के बाद वह वापस अपने घर चली जाती।

इसी बीच पढ़ाई पूरी करते ही एक दवा कंपनी में काम मिल जाने से सीमा प्रमोद को गांव में छोड़कर हरियाणा चली गई। इस दौरान जब भी वह गांव वापस आती तो प्रमोद के साथ उसकी मोहब्बत पहले की तरह होटल के कमरे में नई कहानियां लिखती। लेकिन इसी बीच मार्च के महीने में सीमा की मुलाकात दिल्ली के एक युवक से कुछ इस तरह हुई कि सीमा, प्रमोद को छोड़कर नए प्रेमी के संग घर बसाने के सपने देखने लगी। धीरे-धीरे सीमा के बदले स्वभाव के कारण प्रमोद को शक होने लगा। इसलिए जब उसने सीमा ने इस बारे में बात की तो सीमा ने उसे न केवल अपने नए प्रेमी के बारे में सब कुछ बता दिया बल्कि यह भी साफ कह दिया कि वो अब नए प्रेमी के संपर्क में है इसलिए प्रमोद अपने लिए कोई दूसरी पार्टनर खोज ले। प्रमोद, सीमा की बात सुनकर आसमान से जमीन पर आ गिरा लेकिन सीमा टस से मस नहीं हुई। उसका कहना था कि वो दिल्ली वाले प्रेमी के संग शादी करेगी।

इसी बीच 2 दिसंबर को कंपनी से छुट्टी लेकर सीमा अपने गांव वापस आई तो प्रमोद उससे मिलने की कोशिश करने लगा। उसने सीमा को होटल मिलने बुलाया जिस पर काफी आनाकानी करने के बाद सीमा 7 दिसंबर को उससे मिलने होटल पहुंची जहां कमरे में ले जाने के बाद प्रमोद ने उसे समझाने और पहले की तरह संबंध बनाने की कोशिश की। लेकिन सीमा न तो प्रमोद की बात समझने तैयार थी और न ही संबंध बनाने राजी हुई। इससे प्रमोद बुरी तरह चिढ़ गया। लेकिन फिर भी उसने हार न मानते हुए अगले दिन 8 दिसंबर को पुनः सीमा को होटल आने के लिए कहा लेकिन सीमा ने उससे अकेले में मिलने से मना कर दिया। सीमा की इस बात से प्रमोद ने आरपार का फैसला करने की ठानकर अगले दिन उसे होटल से बाहर मिलने बुलाया।

इस पर सीमा 9 दिसंबर की सुबह घर से मंदिर का बोलकर मौदहा बस स्टैंड पहुंची जहां से प्रमोद उसे अपनी पल्सर मोटर साइकल पर बैठाकर अर्तरा और नरेनी के रास्ते होकर ठवरिया हनुमान मंदिर ले आया। यहां उसने सड़क पर बाइक खड़ी कर दी और सीमा को लगभग 50 मीटर अंदर जंगल में ले गया। वहां बैठकर उसने सीमा को समझाने की कोशिश की लेकिन सीमा ने एक बार फिर उससे साफ मना कर दिया। इस बात से गुस्सा होकर प्रमोद ने उसके संग जबरदस्ती करने की कोशिश की तो सीमा ने गुस्से में आकर उसे एक चांटा मार दिया। इससे प्रमोद का खून खोल उठा और उसने जेब से रुमाल निकालकर सीमा का गला कस कर उसकी हत्या करने के बाद सीमा का मोबाइल तोड़कर फेंक दिया और अपनी बाइक उठाकर वापस आ गया। प्रमोद का मानना था कि मध्यप्रदेश में लाश मिलने से सीमा की शिनाख्त न हो पाने के कारण पुलिस उस तक कभी नहीं पहुंच पाएगी लेकिन सतना एसपी के नेतृत्व में बरौधा टीआई आशीष धुर्वे की टीम ने उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

संबंध बनाने की कोशिश की तो मार दिया थप्पड़

प्रमोद के अनुसार घटना दिनांक को वह सीमा को जंगल ले गया जहां उसने सीमा के साथ जबरन संबंध बनाने की कोशिश की तो सीमा ने उसे थप्पड़ मार दिया। इससे गुस्सा में आकर उसने सीमा की हत्या कर दी और लाश को वहीं पड़ी छोड़कर गांव आ गया।

यूं मिला पुलिस को क्लू

लाश बरामद करती पुलिस।

जंगल में मृत मिली युवती की पहचान होने के बाद पुलिस ने कातिल की तलाश शुरू की मृतिका के पास से टूटा हुआ मोबाइल मिला मोबाइल की सिम सुरक्षित थी सिम में दर्ज नंबर से साइबर सेल ने कई जानकारी जुटाई मृतका का एक ही नंबर पर कई बार बातचीत करना पाया गया लिहाजा उस नंबर को सर्च किया गया तो वह नंबर मृतका के पड़ोसी गांव के युवक का पाया गया घटनास्थल की जांच के दौरान पता चला कि 9 दिसंबर को एक बाइक 2 घंटे तक घटनास्थल पर थी संदेही युवक के बारे में मृतका के गांव के आसपास के लोगों से पूछताछ की गई तो पता चला कि उक्त युवक से प्रेम संबंध सीमा से थे लिहाजा पुलिस ने संदेह के आधार पर प्रमोद साहू को हिरासत में ले लिया पूछताछ में प्रमोद ने सीमा की हत्या करने का जुर्म स्वीकार कर लिया।

4 साल से चल रहा था प्रेम प्रसंग

मृतका सीमा।

आरोपी प्रमोद साहू ने पुलिस को बताया कि वह और सीमा 12वीं तक एक साथ पढ़े है। बाद में सीमा ने प्राइवेट बीएससी किया था। इस दौरान सीमा ने हर काम में उसका पूरा उपयोग किया। परीक्षा देने के लिए लाने ले जाने का काम प्रमोद ही करता था। प्रमोद ने बताया कि वह चार साल से मेरे साथ शादी करने की बात कर रही थी। लेकिन बाहर नौकरी लगने के बाद एक अन्य युवक से उसका प्रेम प्रसंग हो गया था। जिसके लिए वह मुझे छोड़ने की बात करने लगी थी।

...पृष्ठ 5 का शेष

ये लोग मेरे साथ ओरल और अन्य अप्राकृतिक तरीके से रात-रात भर बुरा काम करते थे। ऐसे में एक बार तो मैं सांस घुटने के कारण मरते-मरते बची। इसके बाद मैंने महक से कहा कि मैं होटल में नहीं जाऊंगी तो उसने मेरे बेहोश होने तक मुझे पीटा था।

अशोकनगर जिले में अपनी शादी के बारे में बेबी ने बताया कि कुछ दिनों पहले महक और आशुतोष ने मुझसे कहा कि अब हम तुम्हारी शादी करवाएंगे। मैं खुश हो गई कि रोज रात को नए पुरुषों के साथ सोने से निजाद मिलेगी। लेकिन आशुतोष ने बताया कि शादी के 8 दिन बाद ही तुम्हें ससुराल से सारे गहने और जितना रुपया हो सब लेकर भाग आना है। उनका कहना था कि दो तीन लोगों से मेरी शादी करवाने के बाद वह मुझे आजाद कर देंगे। लेकिन मैं जानती थी कि आशुतोष और उसकी पत्नी महक दोनों किसी राक्षस से कम नहीं है। ये मेरे जीते जी मुझे आजाद नहीं करने वाले। इसलिए कुछ समय बाद इनके घर पर गिरोह के और लोग आने लगे जो मेरी फोटो लेकर जाते थे।

इसी बीच मुझे पता चला कि इन्होंने मेरे फर्जी कागज बनाकर मेरी शादी अशोकनगर में कहीं तय कर दी है। 14 अक्टूबर को भोपाल के आर्यसमाज मंदिर में मेरी शादी कर दी गई। जिसके बाद में अशोकनगर अपने पति के घर आ गई। पति के घर में सभी लोग बहुत अच्छे थे जो मेरा काफी ख्याल रखते थे। जिंदगी में माता-पिता के गुजर जाने के बाद मुझे पहली बाहर घर और पति क्या होता है इस बात का अहसास हुआ था। इसलिए मैंने सोच लिया था कि

भले की मुझे जान देना पड़े लेकिन मैं अपने पति को धोखा नहीं दूंगी।

दूसरी तरफ शादी के चार दिन बाद ही आशुतोष बार-बार मुझे फोन करके माल समेटकर भागने की बात कहने लगा। इस बीच वह दो तीन बार मुझे लेने अशोकनगर भी आया लेकिन मैंने भोपाल आने से मना कर दिया। इसके बाद जब वह कुछ दिन पहले फिर अशोकनगर आया और मैं उसके साथ नहीं गई तब इस बारे में मेरे पति के पूछने पर मैंने सारी बात बता दी। जिसके बाद मेरे ससुर और पति मुझे लेकर थाने आए।

ये लोग मेरे साथ ओरल और अन्य अप्राकृतिक तरीके से रात-रात भर बुरा काम करते थे। ऐसे में एक बार तो मैं सांस घुटने के कारण मरते-मरते बची। इसके बाद मैंने महक से कहा कि मैं होटल में नहीं जाऊंगी तो उसने मेरे बेहोश होने तक मुझे पीटा था।

अशोकनगर जिले में अपनी शादी के बारे में बेबी ने बताया कि कुछ दिनों पहले महक और आशुतोष ने मुझसे कहा कि अब हम तुम्हारी शादी करवाएंगे। मैं खुश हो गई कि रोज रात को नए पुरुषों के साथ सोने से निजाद मिलेगी। लेकिन आशुतोष ने बताया कि शादी के 8 दिन बाद ही तुम्हें ससुराल से सारे गहने और जितना रुपया हो सब लेकर भाग आना है। उनका कहना था कि दो तीन लोगों से मेरी शादी करवाने के बाद वह मुझे आजाद कर देंगे। लेकिन मैं जानती थी कि आशुतोष और उसकी पत्नी महक दोनों किसी राक्षस से कम नहीं है। ये मेरे जीते जी मुझे आजाद नहीं करने वाले। इसलिए कुछ समय बाद इनके घर पर गिरोह के और लोग आने लगे जो मेरी फोटो लेकर जाते थे।

इसी बीच मुझे पता चला कि इन्होंने मेरे फर्जी कागज बनाकर मेरी शादी अशोकनगर में कहीं तय कर दी है। 14 अक्टूबर को भोपाल के आर्यसमाज मंदिर में मेरी शादी कर दी गई। जिसके बाद में अशोकनगर अपने पति के घर आ गई। पति के घर में सभी लोग बहुत अच्छे थे जो मेरा काफी ख्याल रखते थे। जिंदगी में माता-पिता के गुजर जाने के बाद मुझे पहली बाहर घर और पति क्या होता है इस बात का अहसास हुआ था। इसलिए मैंने सोच लिया था कि भले की मुझे जान देना पड़े लेकिन मैं अपने पति को धोखा नहीं दूंगी।

दूसरी तरफ शादी के चार दिन बाद ही आशुतोष बार-बार मुझे फोन करके माल समेटकर भागने की बात कहने लगा। इस बीच वह दो तीन बार मुझे लेने अशोकनगर भी आया लेकिन मैंने भोपाल आने से मना कर दिया। इसके बाद जब वह कुछ दिन पहले फिर अशोकनगर आया और मैं उसके साथ नहीं गई तब इस बारे में मेरे पति के पूछने पर मैंने सारी बात बता दी। जिसके बाद मेरे ससुर और पति मुझे लेकर थाने आए।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 8 का शेष

21 साल की माधुरी बेहद खूबसूरत तो है लेकिन भगवान ने उसे उम्र की तुलना में दिमाग कम दिया है जिसके चलते फिलहाल उसकी शादी नहीं हुई थी जिसका फायदा उठाकर गांव के कई युवक माधुरी की जवानी पर आंख गढ़ाए रहते थे।

ऐसे लोगों में एक गांव का महा बदमाश दिग्विजय उर्फ बाबा भी था। बाबा की हरकतों से तंग आकर उसके परिवार वालों ने उसको कई साल पहले घर से निकाल दिया था। बाबा अपने दो साथी विजय साहू और हरिराम कोरी के साथ मकान पुताई का काम करता था। इसके अलावा गांव के कॉलेज में वह पार्ट टाइम चौकीदार भी था।

दिग्विजय माधुरी पर बुरी तरह से फिदा था। इसलिए वह दिन रात माधुरी से दोस्ती बनाने की फिराक में रहता था। इसके लिए उसने माधुरी के पिता से भी दोस्ती कर ली थी जिससे पिता से मिलने के बहाने वह अक्सर माधुरी के घर आता रहता था।

कोई ढेड महीने पहले एक रोज दिग्विजय जब माधुरी के घर आया तब माधुरी बाहर बैठी थी। शाम का हल्का अंधेरा फैलने लगा था जिसका फायदा उठाकर दिग्विजय ने माधुरी के सीने को छूने की कोशिश की। जिसके बाद माधुरी उठकर घर में चली गई। दिग्विजय को लगता था उसकी इस हरकत को किसी ने नहीं देखा लेकिन संयोग से माधुरी की भाभी ने दिग्विजय को अपनी ननद के साथ

छेड़छाड़ करते देख लिया। जिससे उसने इस बात की जानकारी रात में अपने पति को दे दी। माधुरी के भाई को दिग्विजय का घर आना पहले से ही पसंद नहीं था। इसलिए जब उसे इस बात की जानकारी लगी तो अगले ही दिन जब दिग्विजय माधुरी के घर के सामने से गुजरा तब माधुरी के भाई ने उसकी खासी पिटाई कर दी।मामला पुलिस तक भी गया लेकिन गांव वालों के बीच बचाव से दोनों में समझौता करवा दिया गया। लेकिन दिग्विजय से अपने अपमान का बदला लेने के लिए मन में गांठ बांध ली।

दिग्विजय ने बताया कि घटना दिनांक को वह रास्ते के सुनसान वाले हिस्से पर अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। तभी वहां से माधुरी अकेले घर की तरफ जाते दिखी। माधुरी को अकेला देखते ही उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर उसे घेर लिया और सड़क पर उसके साथ छेड़खानी करने लगे। बचने के लिए माधुरी खेतों में भागी तो तीनों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। इसके बाद जब उन्होंने माधुरी के कपड़े हटाने की कोशिश की तो माधुरी विरोध करने लगी जिसके चलते उन्होंने माधुरी के साथ मारपीट की। दिग्विजय और बाकी के दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बहुत नशे में थे इसलिए उन्हें खुद होश नहीं कि उन्होंने माधुरी के साथ कितनी मारपीट की। इससे वह बेहोश के जैसी हो गई तो हम लोगों ने उसके सारे कपड़े उतार कर फेंककर उसके साथ कई बाद बलात्कार किया। इसके बाद भी दिग्विजय की बदले की आग शांत नहीं हुई तो उसने अपने साथियों के साथ मिलकर माधुरी के स्तन सहित दूसरे नाजुक अंग को बुरी तरह घायल कर दिया जिसे बहे अधिक खून के कारण उसकी मौत हो गई। यह देखकर दिग्विजय पर ज्यादा असर नहीं पड़ा लेकिन हरिराम और विजय साहू घबड़ा गए। दोनों को डरता देख दिग्विजय बोला कि मुझे कोई डर नहीं लेकिन अगर पकड़े जाने से बचना है तो अब इस लाश को ठिकाने लगाने में मदद करो क्योंकि मजा कोई मैने अकेले नहीं लिया है।

इसके बाद तीनों मिलकर लाश को घसीटते हुए कॉलेज के बाहर बने बाथरूम में ले गए। उनकी योजना लाश को यही छोड़ने की थी लेकिन फिर उन्हें लगा कि यहां तो लाश मिल ही जाएगी। इसलिए उन्होंने लाश को वहां से उठाकर कुछ दूर बहने वाली सूखी नहर में फेंक अपने अपने घर चले गए।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

दुनिया के 5 सबसे हैंडसम पुरुषों की लिस्ट में भारतीय अभिनेता ऋतिक रोशन शामिल

सिर्फ हसीनाओं का ही नहीं, दुनिया में हैंडसम मर्दों का भी जलवा है। टेक्नो स्पोर्ट्स ने हाल ही में दुनिया के सबसे हैंडसम पुरुषों की लिस्ट जारी की है। इस बार पहले नंबर पर जिसने बाजी मारी है, वो कोई और नहीं, बीटीएस के मेंबर वी उर्फ किम तेह्युंग हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन, टॉम क्रूज से लेकर रॉबर्ट पैटिंसन का भी नाम शामिल है।

1. बीटीएस के वी

किम किम तेह्युंग को पूरी दुनिया वी के नाम से जानती है। वो साउथ कोरियन सिंगर, सॉन्ग राइटर और एक्टर हैं। उन्होंने 2013 में बीटीएस के मेंबर के रूप में शुरुआत की और तब से 'स्टिग्मा', 'सिंगुलैरिटी' और 'इनर चाइल्ड' सहित कई सोलो सॉन्ग रिलीज किए। वी ने 2016 में 'हवारंग द पोएट वॉरियर यूथ' से एक्टिंग की शुरुआत की और 2019 में पहला इंडिपेंडेंट सॉन्ग 'सीनरी' जारी किया। उन्होंने ऑफिशियली 2023 में 'लव मी अगेन' और 'रेनी डेज' के साथ सोलो आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की। इसके बाद उनका पहला एल्बम 'लेओवर' आया।

2. ब्रैड पिट

ब्रैड पिट एक अमेरिकी एक्टर और फिल्ममेकर हैं। 61 साल के एक्टर का करियर तीन दशक से भी ज्यादा है। वो दो एकेडमी अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। दो बार 'पीपुल्स सेक्सिएस्ट मैन अलाइव' का खिताब मिल चुका है। उन्होंने 'थेल्मा एंड लुईस', 'फाइट क्लब', 'ओशन्स इलेवन' और 'वन्स अपॉन ए टाइम इन हॉलीवुड' जैसी हिट फिल्मों में दमदार एक्टिंग की है।

3. रॉबर्ट पैटिंसन

रॉबर्ट पैटिंसन दुनिया के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर्स में शुमार रहे हैं। लंदन में जन्मे रॉबर्ट ने 15 साल की उम्र में एक्टिंग करना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरुआत में 'हैरी पॉटर एंड द गॉब्लेट ऑफ फायर' से पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके बाद 'ट्विलाइट' की फ्रेंचाइजी से इंडिया सहित दुनियाभर में फेमस हुए।

4. नोआ मिल्स

नोआ मिल्स एक कनाडाई मॉडल और एक्टर हैं, जिन्होंने फैशन इंडस्ट्री में अपना प्रभाव डाला है।

5. ऋतिक रोशन

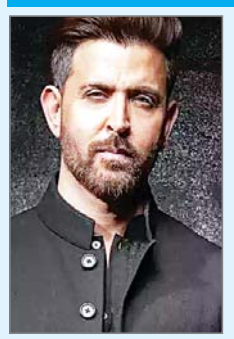

ऋतिक बॉलीवुड एक्टर हैं। उन्होंने 'कहो ना प्यार है' फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। वो अपने डांस स्किल के लिए भी फेमस हैं। 2012 से वे लगातार फोर्ब्स इंडिया की सेलिब्रिटी 100 लिस्ट में शामिल रहे हैं।

अयोध्या

22 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक बलात्कार एवं हत्या का चर्चित मामला

घर से भागवत कथा सुनने निकली माधुरी की निर्वस्त्र लाश दो दिन बाद गांव के पास सूखी नहर में मिली थी। माधुरी के शरीर पर दाई दर्जन से अधिक घाव थे और उसके निजी अंगों को दांतों और नाखूनों से नोंचा-खसोटा गया था।

30 जनवरी की रात के कोई ग्यारह बजे का वक्त था। अयोध्या के कोतवाली थाने की सीमा में बसे गांव सहनवा की गलियों में अभी भी स्थानीय गेस्ट हाऊस में चल रही भागवत कथा की आवाज पूरे गांव में फैले लाऊडस्पीकर से होकर गूंज रहीं थी।

ऐसे में गांव के बाहर बसी एक बस्ती में घर के बाहर खटिया पर लेटे बुजुर्ग की नींद टूटने पर उसने पास के बिस्तर पर लेटी अपनी अर्धाग्नि की तरफ करवट लेते हुए पूछा- माधुरी आ गई क्या?

अभी नहीं।

देर हो गई है घंटे भर का कहकर गई थी।

आ जाएगी।

आ तो जाएगी लेकिन वक्त काल खराब है। जवान बेटियों का ज्यादा देर रात में घर से बाहर रहना ठीक नहीं है।

अकेली थोड़ी न है। कथा खत्म होगी तो बस्ती के पचासों आदमी वहां है उनके साथ आ जाएगी। सो जाओ बेकार में चिंता न करो। पति-पत्नी की यह बात चल ही रही थी कि अचानक भागवत कथा कि दैनिक समाप्ति पर होने वाली आरती की आवाज आने से बूढ़ा पिता कुछ देर में बेटी के वापस आने की उम्मीद कर सोने की कोशिश करने लगा।

रात दो बजे पिता की नींद फिर टूटी तो देखा कि पत्नी पलंग पर अकेली सो रही थी। यानी माधुरी अभी भी नहीं लौटी थी जबकि कथा खत्म हुए दो घंटे से ज्यादा का समय बीत चुका था।

माधुरी के कथा से वापस न आने की बात जानकर पूरा घर जाग गया। जिसके बाद पिता अपने बेटे को लेकर बेटी की तलाश में निकल पड़ा। दो घंटे बाद बात पूरी बस्ती में फैल जाने से कई लोग माधुरी की तलाश में टार्च-लाठी लेकर निकले लेकिन सूरज के उग आने तक माधुरी का कहीं कोई पता नहीं चलने पर सुबह-सुबह परिवार वालों ने कोतवाली थाने पहुंचकर 22 वर्षीय माधुरी की गुमशुदगी का मामला दर्ज करवा दिया।

पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद भी परिवार अपने स्तर पर बेटी की तलाश करता रहा। खबर सुनकर पास के गांव से माधुरी की बहन-बहनोई भी आकर माधुरी की तलाश में मदद करने लगे।

गांव का नामी बदमाश दिग्विजय, अल्प बुद्धि माधुरी पर बुरी नजर रखता था। यह बात माधुरी का भाई जानता था इसलिए अक्सर पिता से मिलने के बहाने घर आने पर दिग्विजय को उसने महीने भर पहले पीट दिया था। दिग्विज ने इसी बेइज्जती का बदला माधुरी के साथ सामूहिक बलात्कार कर उसकी हत्या से लिया।

इसी बीच दूसरे दिन सुबह घर वालों को भागवत कथा होने के स्थान से अपने घर के बीच फैली सड़क पर एक जगह खून के धब्बे मिले। इस धब्बो का पीछा करते-करते परिजन गांव के टेक्निकल कॉलेज पहुंचे जहां बाहर बने बाथरूम में काफी मात्रा में खून फैला मिला।

खून देखकर घर वाले बुरी तरह डर गए और कॉलेज के आसपास चारों तरफ फैलकर माधुरी की तलाश करने लगे। इस दौरान कॉलेज से कोई दो सौ मीटर दूर एक सूखे नाले के पास माधुरी का बहनोई पहुंचा जो एक जगह झाड़ियों में खून से सना माधुरी का नग्न शव देखकर वह बुरी तरह चौंक गया।

खबर पाकर पूरा गांव मौके पर जमा हो गया। माधुरी के प्राइवेट पार्ट से खून बहने के निशान होने के अलावा नाखूनों से खरोंचे जाने के भी निशान थे। शरीर पर कई घाव थे शव को देखकर लगता था जैसे हत्यारों ने उसकी आंखे निकालने की कोशिश की हो। इसके अलावा माधुरी के स्तन पर दांतों से काटे जाने के भी निशान थे जिनमें खून जमा होने से वे काले पड़ चुके थे।

माधुरी का नग्न शव मिलने की खबर से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। थोड़ी ही देर में सीओ आशुतोष तिवारी और एसएसपी राजकरण नैय्यर के साथ एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंच गया। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया लेकिन माधुरी के साथ बलात्कार किया गया है यह बात उसकी लाश देखकर ही गांव का हर आदमी समझ चुका था।

दूसरे दिन पुलिस को पीएम रिपोर्ट भी मिल गई जिसमें उसके शरीर पर तीस से अधिक घाव मिलने के अलावा गुप्तांग से बहे अधिक खून को उसकी मौत

माधुरी के घर के बाहर जुटी गांववालों की भीड़।

का कारण बताया गया। पीएम में माधुरी के साथ सामूहिक बलात्कार किए जाने की बात भी सामने आई। उसकी 24 में से 14 पसली और हाथ-पैर की हड्डियां भी टूटी पाई गई। जाहिर है कि जिस वीभत्स तरीके से माधुरी की हत्या की गई थी उससे पुलिस तुरंत एक्शन में आ गई। जिसके चलते पुलिस की एक बड़ी टीम गांव में सीसीटीवी खंगालने के काम में जुट गई।

इसी बीच पुलिस उस रात भागवत कथा सुनने गई अनेक महिलाओं से बात कर यह जानकारी जुटा चुकी थी कि उस रात माधुरी कथा सुनने पहुंची थी लेकिन वहां से एक घंटे बाद लगभग साढे नौ बजे घर जाने का बोलकर वापस आ गई थी।

पुलिस ने इसी समय को आधार बनाकर रास्ते की सीसीटीवी फुटेज देखे तो एक कैमरे में गांव के तीन युवक दिग्विजय सिंह उर्फ बाबा, हरिराम कोरी और विजय साहू शराब पीते दिखाई दिए। जिस जगह तीनों शराब पी रहे थे वह सुनसान इलाका था और इसी इलाके से होकर माधुरी को घर लौटना था। इसलिए पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को उठा लिया।

दिग्विजय, हरिराम और विजय तीनों मिलकर पुताई का काम करते हैं। इसके अलावा दिग्विजय पार्ट टाईम आईटी कॉलेज में चौकीदारी का काम भी करता है।

आरोपियों को नहीं याद कि कितनी बार किया दुष्कर्म

माधुरी के तीनों आरोपी दिग्विजय, अंकित साहू तथा हरिराम।

तीनों आरोपियों ने माना कि नशे के कारण उन्हें कुछ ध्यान नहीं कि उन्होंने माधुरी के साथ कितनी बार बलात्कार किया। उनका कहना था कि एक के फ्री होते ही दूसरा पाप करने आगे आ जाता था और ऐसा उन्होंने कई बार किया।

24 में से 14 पसली टूटी मिली

माधुरी की लाश बरामद करती पुलिस।

माधुरी के शव का पीएम दो डॉक्टर की टीम ने किया। पीएम रिपोर्ट के अनुसार माधुरी के हाथ-पैर की हड्डी तो टूटी ही थी इसके अलावा 24 में से 14 पसली भी टूटी पाई गईं। चेहरे पर तीस से ज्यादा घाव मिले। डॉक्टर से माधुरी की मौत का कारण उसके प्राइवेट पार्ट से बहे अधिक खून को बताया।

भाई द्वारा की गई पिटाई का बदला लेने दिया पाप को अंजाम

पुलिस के अनुसार घटना से महीने भर पहले मृतका के भाई ने मुख्य आरोपी दिग्विजय के साथ मारपीट की थी। इसी बात का बदला लेने के लिए आरोपी ने पीड़िता को घटना की रात अकेला पाकर वारदात को अंजाम दिया।

गिरफ्तारी के बाद तीनों ने खुद हो निर्दोष बताने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने जब उनके साथ सख्ती की तो उन्होंने मान लिया कि उस रात शराब के नशे में उन्होंने माधुरी के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या की थी। इसके लिए दिग्विजय सिंह ने बताया कि कोई महीने भर पहले माधुरी के भाई ने उसके साथ मारपीट की थी। इसी बात का बदला लेने के लिए उसने माधुरी की इज्जत लूटने की योजना बनाई थी। तीनों ने बताया कि घटना के समय वे नशे में थे इसलिए खुद उन्हें नहीं पता कि उन्होंने माधुरी के साथ कितनी मारपीट की थी और कितने बार रेप किया। इसके बाद जब वह मर गई तो उसकी लाश को नहर में फेंक दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को अदालत में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज देने के बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

गांव में रहने वाली माधुरी का परिवार थोड़ी सी जमीन पर खेती के अलावा मजदूरी कर गुजर बसर करता है। दो बहनों और एक भाई में से सिर्फ माधुरी ही अविवाहित है जबकि भाई और बड़ी बहन की शादी हो चुकी है।

शेष पृष्ठ 7 पर...